योनि का दीपक- भाग 1

“बड़ा प्यारा है वो ! जब वह 'मांगता' है तो खुद को रोकना सचमुच मुश्किल हो जाता है। ऐसे प्यार से, ऐसा मासूम बनकर मांगता है कि दिल उमड़ आता है उस पर। लालची या फरेबी तो बिल्कुल नहीं लगता। मन करता है लुटा दूँ खुद को उस पर। ...”

Story By: (happy123soul)
Posted: Tuesday, July 3rd, 2018
Categories: जवान लड़की
Online version: योनि का दीपक- भाग 1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

योनि का दीपक- भाग 1

प्रिय पाठको, इस बार एक बिल्कुल नए मिजाज की कहानी लेकर हाजिर हूँ। आज की युवा पीढ़ी बहुत फास्ट और बिंदास है। उसमें टैलेंट है, सामर्थ्य है, और भविष्य का कोई भय या फिक्र भी नहीं है। इसी युवा पीढ़ी की एक लड़की (अब श्रीमती) ने अपने बेलौस स्वभाव में जो कर डाला यह उसी की गाथा है। मुझसे कई पाठक-पाठिकाएँ अपनी आपबीती पर कहानी लिखने के लिए अनुरोध करती रहती हैं। उन्हें लिखना संभव नहीं हो पाता। लेकिन यह घटना असाधारण थी इसलिए इसे लिखना जरूरी लगा। इस पाठिका ने मेरी कहानी 'शालू की गुदाई' पढ़कर अपनी आपबीती मुझे भेजी थी। घटना घटे ज्यादा दिन नहीं हुए। पिछले के पिछले, यानी 2016 की दीवाली की बात है।
– लीलाधर

कहानी का आनन्द लीजिये :

बड़ा प्यारा है वो ! जब वह 'मांगता' है तो खुद को रोकना सचमुच मुश्किल हो जाता है। ऐसे प्यार से, ऐसा मासूम बनकर मांगता है कि दिल उमड़ आता है उस पर। लालची या फरेबी तो बिल्कुल नहीं लगता। मन करता है लुटा दूँ खुद को उस पर। ऐसा भी खुद को बचाकर क्या रखना। सभी तो इंजॉय कर रहे हैं। मेरी कितनी सहेलियां कइयों से 'लिवा' चुकी हैं, मैं ही क्यों वंचित रहूँ। सहेलियाँ मुझे बढ़ावा भी देती हैं। कहती हैं कैसा सुंदर है तेरा बॉयफ्रेंड ; करवा ले न उसके साथ… कहीं छोड़ कर चला गया तो हाथ मलती रह जाओगी।

दोस्तों की बातों, और सबसे बड़ी मेरे बॉयफ्रेंड की बार-बार मनुहार, का असर रहा होगा कि इस बार दिवाली में मैंने उससे कह दिया, इस बार तुम्हें दिवाली में कुछ खास गिफ्ट करूंगी, तैयार रहो। उसने पूछा कि क्या गिफ्ट करूंगी तो मैंने कहा कि ऐसी चीज जो मैंने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे कभी नहीं दी।
अब वह बेचारा समझ रहा है कि मैं उसे 'दूंगी'। लेकिन मैं सोच रही हूँ कि कुछ ऐसा करूं कि उसको 'फाइनल' चीज देने से बच जाऊं और वह खुशी से गदगद भी हो जाए।

मैंने लीलाधर जी की एक कहानी पढ़ी थी
शालू की गुदाई
मुझे उसमें गुदना गुदवाने का सीन बड़ा अच्छा लगा था। मैंने लीलाधर जी से पूछा भी था कि वह टैटू आर्टिस्ट रॉबर्ट दिल्ली में कहाँ रहता है। पर उन्होंने मुझे कुछ खास नहीं बताया। तब मैंने अपने से तलाश किया।
एक मिला, अभी नया ही काम शुरू किया था, मगर हाथ में सफाई थी। जवान बंदा था, मुझे थोड़ा डर लगा कि कहीं यह मुझे एक्सप्लॉयट न करे। पर सोचा मामला भी तो 'वयस्क' का है। अगर कुछ इसने करना चाहा तो देख लूंगी। देखने में खूबसूरत भी था।

मैंने उसे अपनी जरूरत बताई। बॉयफ्रेंड को सेक्स का मजा तो देना चाहती हूं मगर फ**** से बचना भी चाहती हूं, और यह मुझे दीवाली में गिफ्ट करना है। मैंने सोचा था कि दोनों स्तनों पर ही दीवाली से ताल्लुक रखता कोई संदेश टैटू करवाऊंगी। इस तरह मेरा ब्वायफ्रेंड मेरे स्तन देख लेगा और उनसे कुछ खेल भी लेगा।

लेकिन उस टैटू कलाकार का आइडिया इससे ज्यादा साहसी था। साहसी क्या, दुस्साहसी था। मैं संकोच में पड़ गई कि इतनी दूर पहली बार में ही जाना उचित होगा? भद्दा नहीं लगेगा? मैं कर पाऊंगी? लेकिन उसने मुझे आश्वस्त किया कि वल्गर नहीं लगेगा, कलात्मक ही होगा।
हैप्पी दिवाली का विश – सिर्फ छातियों तक ही क्यों? इससे तो वह धोखा खाया-सा महसूस करेगा। उसे लगेगा तुमने ऊपर ऊपर ही निपटा दिया। अगर गिफ्ट का मजा गाढ़ा बनाना चाहती हो तो और आगे जाओ।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सचमुच… मुझे भी लगा जहाँ वह पूरे सम्भोग की उम्मीद कर रहा है वहाँ केवल स्तनों तक ही सीमित रहने से बहुत फीका हो जाएगा। लेकिन टैटू कलाकार का आइडिया केवल जांघें खोलने तक का नहीं था, भगों को भी नंगा रखने का था। यह बहुत ही डेयरिंग था, पुसी भी दिखानी पड़ेगी। मैं कुछ देर ठिठकी, फिर बिंदास होकर उसका आइडिया कबूल कर लिया।

उसने मुझे दिवाली के ही दिन सुबह-सुबह आने को कहा, बोला कि मैं उसकी पहली ग्राहक हूंगी।
बाद में पता चला उस दिन मैं उसकी अकेली ही ग्राहक थी।
उसने मुझे बार-बार आश्वस्त किया कि मुझे निराश नहीं होना पड़ेगा।

मैं दीवाली की सुबह बिल्कुल साफ-सुथरी, अंदर से सेंटेड होकर उसके पास पहुंची। उसने मुझे अंदर के बालों को मूड़ने से मना किया था। बोला था, बालों की ड्रैसिंग उसी दिन करेंगे। उसने मुझे बता ही दिया था मुझे उसके सामने बिल्कुल खुलकर, और अपने को बिल्कुल खोलकर बैठना पड़ेगा। उसके निर्देशानुसार मैं घाघरा पहन कर पहुंची थी।

पहुँची तो वह तैयार था, बाहर ही खड़ा इंतजार कर रहा था। नहाया-धोया, एकदम फ्रेश! मुझसे हाथ मिलाया और गुड मॉर्निंग बोला। पुरुष के नजर की यही तारीफ औरत को कमजोर कर देती है। अच्छा कोलोन वगैरह लगाकर महक रहा था।
क्यों न हो, एक सुंदर लड़की की पुसी के दीदार का दुर्लभ मौका मिल रहा था।
मैंने मुस्कुराकर उसके गुड मॉर्निंग का जवाब दिया।

अंदर जाकर उसने कुछ सामान्य बातें पूछीं जिन्हें करने का उसने मुझे पहले ही निर्देश दे दिया था। उसने मुझे तौलिया दिया और घाघरा उतारने देने को कहा। मैंने सोचा था शुरू में पैंटी पहने रहूंगी लेकिन उसने कहा कि बाद में पैंटी उतारते समय टैटू खराब हो जाएगी।

मुझे खुद पर ताज्जुब हो रहा था कि कहाँ तो इतनी रूढ़िवादी हूँ कि ब्वायफ्रेंड को अभी तक

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्तन भी देखने नहीं दिए, कहाँ यह मैं इस अनजान के सामने पूरी तरह नंगी हो रही हूँ। लेकिन मैं बिंदास थी। करना है तो करना है, बस!

लेकिन पैंटी उतारने के बाद ऐसी शर्म आने लगी कि रोयें खड़े हो गए। लीलाधर जी ने शालू की इस स्थिति के बारे में कुछ बताया नहीं था। मैंने सोचा था लीलाधर की कहानी की तरह मुझे वह गद्देदार मजेदार कुर्सी पर बिठाएगा। पर उसने मुझे टेबल पर चढ़कर पंजों पर 'चुक्को-मुक्को' बैठने का निर्देश दिया। छी, कितना बुरा लग रहा था जैसे इन्डियन टॉयलेट पर पॉटी करने के लिए बैठी हूँ।
बैठने पर तौलिया इस तरह उठ गया था कि नीचे सबकुछ खुल गया था। सोच रही थी, मैं ये क्या कर रही हूँ।

वह मेरी खुली टांगों के बीच कुर्सी लगाकर बैठ गया। तौलिया यूँ भी नामभर को था, उसको भी हटाकर उसने मेरी पुसी का ठीक से मुआयना किया। पेंसिल लेकर उसने दोनों जांघों पर बीच से बराबर दूरी रखते हुए निशान लगाए। कुछ निशान उसने भग-होठों के दोनों तरफ भी उसने लगाए। फिर उसने एक दूसरी पैंसिल लेकर लिखना शुरू किया।
पैंसिल की नोक चलने पर जांघ में गुदगुदी होने लगी। कुछ देर तक उस गुदगुदी के मारे स्थिर नहीं रह पाई। कुछ देर की प्रैक्टिस के बाद ही उसके लिखने लायक स्थिर हो पाई। जब वह मेरी बाईं जांघ पर लिख रहा था उस वक्त मैंने यथासंभव योनि होठों को और दाईं जांघ को तौलिये से ढक लिया था।

बाईं जांघ पर लिखने के बाद उसने मेरी दाई जांघ पर एक दूसरा शब्द लिखा। लिखने के बाद उसने मुझे आइना थमाया। बड़े अक्षरों में एक जाँघ पर 'शुभ' और दूसरी पर 'दीपावली' लिखा था- 'शुभ दीपावली' बड़ी कलात्मक लिखाई थी।
मानना पड़ेगा कि स्त्री की खुली योनि को देखते हुए भी कोई कलाकार होशो-हवास सलामत रखकर सुंदर लिखाई को अंजाम दे सकता है। लेकिन दोनों शब्दों के बीच योनि

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

होठों और बालों की गहरी कालिमा तो अच्छी नहीं लग रही थी। मैंने कहा, इतना तो पैंटी पहनकर भी दिखाया जा सकता है ? पुसी दिखेगी तो संदेश गंदा लगेगा, दीपावली की शुभता और पवित्रता का एहसास चला जाएगा।

लेकिन अभी उसका काम समाप्त नहीं हुआ था। उसने मेरे सवाल का कोई जवाब नहीं दिया। कई कलाकार एक बार तय कर लें तो टोका-टोकी पसंद नहीं करते। मैंने अभी तक अपनी पुसी पर तौलिये का कोना दबा रखा था। उसने उसे मेरे हाथों को हटा दिया और मेरी कमर से तौलिया खींच लिया। मैं ऊपर टी-शर्ट में लेकिन नीचे पूरी तरह नंगी थी और वह मेरी भगों में सीधे देख रहा था। गुदा का छिद्र भी उसे साफ दिख रहा होगा। मैं तो शरम से मर ही गई थी।

कुछ देर तक उसने उसका अच्छे से मुआयना किया। उसके बाद उसने उस्तरा उठाया और पेडू के बालों को धीरे-धीरे मूंड़ना शुरू किया। बाहर से अंदर होटों की ओर। रेजर से बालों के कटने की किर-किर आवाज अजीब और उत्तेजक लग रही थी। मूड़ते हुए क्रमश: होठों की ओर बढ़ते हुए उसने होठों के बाहर बाहर लगभग एक अंगुल चौड़ाई में बाल छोड़ दिए। होठों के किनारे-किनारे पौन इंच तक घने काले बालों का बॉर्डर और उसके बाद सफाचट गोरा मैदान। जैसे गेट के किनारों पर किसी ने घास की सजावट करके छोड़ दिया हो।

बैठे-बैठे मेरे पाँव थकने लगे थे और होठों व योनि में इन गतिविधियों से गीलापन आने लगा था। निश्चित ही उसे उसकी गंध मिलने लगी होगी। इसलिए मैं कुछ देर रुकने का समय चाहती थी।

वह उठा और बाथरुम चला गया, लगभग 5 मिनट बिताकर निकला। मुझे लग गया कि उतनी देर में वह बाथरूम में हाथ से अपनी उत्तेजना शांत करके आया है। उसके चेहरे पर लाली थी। फिर भी मुझे उस पर गुस्सा नहीं आया, बल्कि उल्टे मुझे अच्छा लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उतनी देर में मेरी भी 'गर्मी' कम हो गई थी।

उसने फिर काम शुरु किया।

अब उसने कैंची से बालों को धीरे-धीरे कुतरना शुरु किया। उन्हें इच्छित लंबाई तक लाने के बाद ब्रश से कटे बालों को झाड़ दिया। अभी तक मुझे उसकी डिजाइन का कुछ खास आइडिया नहीं था। इतना जरूर मालूम था वहाँ कोई तस्वीर बनाने वाला है।

मुझे काफी गुदगुदी हो रही थी। उसने मुझे स्थिर रहने को कहा नहीं तो तस्वीर बिगड़ जाएगी। मैं जिस तरह बैठी थी, मेरे योनि के होठों की फांक उसकी नाक की सीध में खड़ी थी ; ऊपर क्लिट से संकरे कोण से शुरू होकर होंठों के बीच कुछ दूर तक समान अंतर के बाद नीचे फैलते हुए चूतड़ों की फाँक।

उसने फाँक के दोनों तरफ जाँघों पर आधे-आधे दीपक की आउटलाइन खींची। अब मुझे समझ में आ गया वह क्या बना रहा है। सस्पेंस को बनाए रखते हुए उसने सुनहले रंग में कूची डुबोई और फाँक के किनारे किनारे बालों को रंगना शुरू किया। बालों पर हल्के हल्के ब्रश चलाते हुए उसने उन्हें इस तरह रंगा कि कुछ बाल काले रहें, कुछ सुनहरे।

मैं मुस्कुरा रही थी। मुझे गुदगुदी के साथ-साथ उत्तेजना हो रही थी। योनि का गीलापन इतना बढ़ गया था कि होंठों के बीच लसलसा तार बन जा रहा था। उसने जब वहाँ तौलिया दबाकर सुखाया तो मेरे गीलेपन का खुला इकरार हो गया।
मैं सोच रही थी मेरे इतने दिन से प्रेम की प्यास में पड़ा हुआ बॉयफ्रेंड जिसे देख तक नहीं पाया है, उसे यह नामुराद खुलकर देख रहा है। देख ही नहीं, उसे छू और सहला भी रहा है। मन में ख्याल आया कि अगर यह उसे चूम ले, चाट भी ले तो कौन सी बड़ी बात हो जाएगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भगों में जिस तरह गुदगुदी और सनसनी हो रही थी उसमें कभी-कभी लगता था, काश यह हिम्मत करके ऐसा कर ही दे। मैं उसे हल्का-फुल्का डाँटकर छोड़ दूंगी और उसे करने दूंगी। लेकिन यह बंदा कुछ ज्यादा ही शरीफ था। शायद कलाकार का अपना मिजाज था कि जब वह रच रहा होता है तो हर लोभ-लालच से दूर होता है।

बालों को रंगने के बाद उसने उन्हें फूंक फूंक कर सुखाया। अब उसने ब्रश लेकर आउटलाइन के अंदर रंग भरना शुरू किया। उसकी कूची पुसी में ऊपर से नीचे घूमते हुए नीचे जाकर कभी कभी गुदा के छेद को भी छू जाती थी। बालों की उस छुअन से इतनी सुरसुरी होती थी कि मुझे उसे बीच-बीच में रुकने के लिए कहना पड़ता था।
आख़िरकार उसने योनि होठों की विभाजक रेखा के निचले हिस्से में दोनों चूतड़ों पर आधे-आधे दीपक बना दिए। जांघों को पूरी तरह फैलाए रखने में मेरी कमर और पांव बुरी तरह दुख गए थे।

चित्र पूरा करके उसने मुझे आइना पकड़ा दिया।

वाह… एक बहुत ही सुंदर कल्पना साकार हो रही थी। आइने में मैं देख रही थी कि एक एक जांघ पर 'शुभ' और 'दीपावली' लिखी थी और दोनों शब्दों के बीच जांघों के जोड़ में दीपक जल रहा था। योनि के हल्के खुले होठों के अंदर की लाली दिए की लौ के बीच की लाली बन गई थी और होंठों के किनारों पर के बाल लौ के बाहरी पीले-भूरे रंग। बालों में लगा सुनहरा रंग ऐसा लग रहा था मानो दिए की लौ से सुनहरी आभा बिखर रही हो।

उसने शुभ दीपावली की रेखाओं को रंगों से मोटा और गाढ़ा करके काम समाप्त कर दिया। कुछ देर यों ही बैठने के लिए कहा ताकि रंग अच्छे सूख जाएँ। उसने ब्लोअर से हवा भी लगा दी।

मैं उसे पैसे देने लगी तो उसने पैसे लेने से मना कर दिया। बोला कि पहले जिस काम के

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लिए टैटू बनवाया है वह काम कर लूँ। पसंद आया तभी पैसे लेगा।
“ऐसे ग्राहक रोज रोज नहीं मिलते इसलिए खास मन से काम किया है, आपके और ब्वायफ्रेंड को पसंद आएगा तो उसे अपनी कला की सफलता मानूंगा।”
मुझे अजीब लगा पर उसकी इच्छा देखते हुए बात मान ली।

शायद वह देखना चाहता था कि बॉयफ्रेंड को दिखाने के बाद मेरी क्या गत हुई... चुदी या नहीं। या शायद वह पैसे के अलावा मुझसे कुछ ‘एक्स्ट्रा’ पाना चहता था।
जो हो, बंदा भला था, काम के दौरान उसने किसी प्रकार की कोई गलत हरकत नहीं की थी, इसलिए मैं भी उसके प्रति कुछ उदार होने को तैयार हो गई। (वैसे इच्छा तो मेरी भी होने लगी थी।)

ब्वायफ्रेंड से मिलने जाते समय मन में शंकाओं-चिंताओं-रोमांचों के जितने पटाखे फूट रहे थे, वे इससे पहले की किसी भी दीवाली से ज्यादा थे। क्या होगा, कैसे दिखाऊंगी उसको, शुरुआत ही कैसे करूंगी। क्या सोचेगा वो ? मुझे सस्ती या चालू तो नहीं समझ लेगा ? हाय राम, क्या मैं सचमुच उसके सामने टांगें खोलूंगी ? मगर अभी उस कलाकार के सामने अपने को मैं कैसे नंगी दिखा सकी ? मैं सही दिमाग में तो हूँ न ? पागल तो नहीं हूँ ?

मैं गाड़ी में ठीक से बैठी भी नहीं कि रंग न उखड़ जाएँ हालाँकि उसने मुझे आश्वस्त किया था कि बैठने से या कपड़ों की रगड़ से या पानी लगने से चित्र नहीं छूटेगा। मिटाने के लिए खास द्रव से धोना पड़ेगा, उसके लिए मुझे उसके पास आना होगा।
मगर मन कहाँ मानता है ; मैं कार सी सीट पर चूतड़ को आधा उठाए ही बैठी थी।

कहानी जारी रहेगी.
आप अपनी प्रतिक्रिया happy123soul@yahoo.com पर जरूर भेजें !
धन्यवाद.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कहानी का अगला भाग : योनि का दीपक- भाग 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Delhi Sex Chat

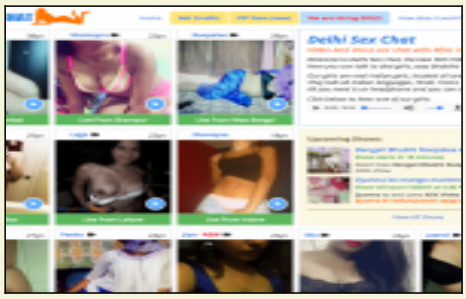

URL: www.delhisexchat.com **Site language:** English **Site type:** Cams **Target country:** India Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Tamil Kamaveri

URL: www.tamilkamaveri.com **Average traffic per day:** 113 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Story **Target country:** India Daily updating at least 5 hot sex stories in Tamil language.

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Suck Sex

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn video, and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high-resolution pictures for the near vision of the sex action.

Antarvasna Sex Videos

URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Velamma

URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. Howeve,r like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire